SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

वार्षिक रिपोर्ट Annual Report

विश्वसनीय. मैत्रीपूर्ण
FAITHFUL. FRIENDLY

2005-06

सिंडिकेटबैंक
SyndicateBank
Head Office: Manipal - 576 104

Your faithful & friendly financial partner

प्रधान कार्यालय : मणिपाल - 576 104, भारत
नैगम कार्यालय : गांधी नगर, बेंगलूर - 560 009, भारत
Head Office: Manipal - 576 104, India
Corporate Office: Gandhinagar, Bangalore - 560 009, India
www.syndicatebank.in
Toll free: 1800 425 66 55

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

प्रधान कार्यालय: मणिपाल - 576 104
Head Office: Manipal - 576 104

विषय - सूची CONTENTS

वार्षिक रिपोर्ट Annual Report 2005 – 2006

	पृष्ठ Page
• अध्यक्षका वक्तव्य Chairman's Statement	3
• सूचना Notice	6
• निदेशकों की रिपोर्ट Directors' Report	10
• नैगम अभिशासन पर रिपोर्ट Report on Corporate Governance	30
• लेखा-परीक्षकों का प्रतिवेदन Auditors' Report	48
• तुलन-पत्र Balance Sheet	50
• लाभ-हानि लेखा P & L Account	51
• लेखों की अनुसूचियाँ Schedules to Accounts	52
• महत्वपूर्ण लेखा नीतियाँ Significant Accounting Policies	59
• लेखा संबंधी टिप्पणियाँ Notes on Accounts	63
• नकदी उपलब्धता विवरण Cash Flow Statement	74
• ईसीएस संबंधी परिपत्र Circular regarding ECS	77
• प्रॉक्सी फार्म Proxy Form	79
• फार्म 2बी Form 2B	81
• उपस्थिति पर्ची Attendance Slip	83

निदेशक मंडल
BOARD OF DIRECTORS

ReportJunction.com

सी. पी. स्वर्णकार *अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक*	C. P. Swamkar *Chairman & Managing Director*
जॉर्ज जोसेफ *कार्यपालक निदेशक*	George Joseph *Executive Director*
दीन दयालन	Deena Dayalan
के.आर. दास	K. R. Das
विनय कुमार सोरके	Vinay Kumar Sorake
दिनकर पुंजा	Dinkar Punja
जय प्रकाश शर्मा	Jai Perkash Sharma
निदेशक	*Directors*

लेखा-परीक्षक	Auditors
मेसर्स वी. के. मेहता एंड कंपनी	M/s V. K. Mehta & Co.
मेसर्स तेज राज एंड पाल	M/s Tej Raj & Pal
मेसर्स श्रीराममूर्ति एंड कंपनी	M/s Sriramamurthy & Co.
मेसर्स नन्दी हलदर एंड गंगूली	M/s Nandy Halder & Ganguli
मेसर्स सौंदराजन एंड कंपनी	M/s V. Soundarajan & Co.

रजिस्ट्रार एवं शेयर अंतरण एजेंट
मेसर्स कार्वी कंप्यूटरशेयर प्रा. लिमिटेड
यूनिट: सिंडिकेटबैंक
21, एवेन्यू 4, स्ट्रीट नं. 1
बंजारा हिल्स, हैदराबाद – 500 034
दूरभाष : 040-234 20815 से 23420820
फैक्स: 040-23420814

Registrars & Share Transfer Agents
M/s Karvy Computershare Pvt. Ltd.
Unit: SyndicateBank
21, Avenue 4, Street No. 1
Banjara Hills, Hyderabad – 500 034
Ph.: 040-23420815 to 23420820
Fax: 040-23420814

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

अध्यक्ष का वक्तव्य

मुझे आपके समक्ष 31 मार्च 2006 को समाप्त वित्तीय वर्ष के निष्पादन की खास उपलब्धियों को प्रस्तुत करते हुए अत्यंत प्रसन्नता का अनुभव हो रहा है।

वित्तीय वर्ष 2005-06 काफी चुनौतियों भरा रहा है। इस अवधि में कीमतों में हुए परिवर्तन, भू-राजनैतिक तनावों, स्थावर संपदाओं की परिसंपत्तियों में हुई वृद्धि ने तथा ऋण की अभूतपूर्व मांग से वित्तीय और बैंकिंग क्षेत्र के निष्पादन पर व्यापक प्रभाव पड़ा है। इन प्रतिकूल घटनाओं के बावजूद विश्व की सकल घरेलू उत्पाद में वर्ष 2005-06 के दौरान 4.9 प्रतिशत की वृद्धि की उम्मीद है जो पिछले वर्ष के दौरान 3.6 प्रतिशत थी। भारत और चीन के उभरते हुए बाजारों द्वारा दिखाए गए जबर्दस्त निष्पादन को पूरी दुनिया ने अनुभव दिया है।

ऊपर वर्णित सार्वभौमिक प्रवृत्तियों के विपरीत भारतीय अर्थव्यवस्था ने अच्छा निष्पादन दर्शाया है और अप्रैल - दिसंबर 2005 के बीच सकल घरेलू उत्पाद में 7.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। केन्द्रीय सांख्यिकीय संगठन द्वारा लगाए गए अग्रिम अनुमान के अनुसार 2005-06 के दौरान देश की सकल घरेलू उत्पाद में 8.1 प्रतिशत की दर से वृद्धि होने की उम्मीद है।

विश्व वित्तीय बाजार 2005-06 के दौरान उत्साहजनक रहा है। अर्थव्यवस्था में सुधार के कारण इन उभरते बाजारों से बैंकिंग प्रणाली को मजबूती मिली है। बहरहाल, अप्रैल 2006 में तेल की कीमतें 75 डॉलर प्रति बैलर के स्तर तक पहुँच गई हैं, जिसका प्रभाव वित्तीय बाजार की प्रवृत्ति पर पड़ेगा।

वित्तीय वर्ष 2006 के दौरान 15 प्रतिशत के प्रक्षेपित स्तर की तुलना में मुद्रा आपूर्ति में 20.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई है जो 27,09,905 करोड़ रुपये तक पहुँच गई है। मार्च 2006 तक मुद्रास्फीति, थोक मूल्य सूचकांक के 4 प्रतिशत तक है। पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों की सकल जमाराशि 20,87,670 करोड़ रुपये हो गई जो पिछले वर्ष की तुलना में 22.1 प्रतिशत की अधिक वृद्धि दर्शाती है।

वर्ष 2005-2006 के दौरान अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों का ऋण वितरण 37 प्रतिशत हुआ है जो 14,96,474 करोड़ रुपये तक पहुँच गया है। ऋण वितरण में हुई वृद्धि का मुख्य कारण यह है कि गैर-खाद्य ऋणों में जबर्दस्त वृद्धि हुई है, जो 31 मार्च 2006 तक 14,54,687 करोड़ रु. तक पहुँच गया है।

वित्तीय वर्ष 2006 के दौरान देश के निर्यात में 24.7 प्रतिशत की प्रभावोत्पादक वृद्धि दर्ज की गई है जो यू एस डॉलर 100.60 बिलियन हो गई है, तथापि, आयात में इससे तीव्र वृद्धि हुई है, जो 31.5 प्रतिशत की दर से बढ़ी है तथा यूएस डॉलर 140.23 बिलियन तक पहुँच गयी है। वर्ष 2005-06 के दौरान विदेशी मुद्रा आरक्षित निधियाँ यूएस डॉलर 151.6 बिलियन हो गई हैं।

CHAIRMAN'S STATEMENT

I have great pleasure in placing before you the performance highlights of the Bank for the financial year ended 31st March 2006.

The Financial Year 2005-06 experienced many critical challenges in terms of the large and continuing global imbalances as created by benignant oil prices, geopolitical tensions, increase in asset value in real estate market and unprecedented growth in credit demand which had wide implications on financial and banking sector performance. Despite, these adverse happenings, world GDP is expected to grow at 4.9 percent in 2005-06 compared to 3.6 percent of the previous year. The world witnessed robust growth led by splendid performance that was registered by emerging market economies driven by India and China showing signs of improved resilience.

Against, the above global trend, Indian economy has demonstrated a strong performance by registering a GDP growth of 7.9 percent during April-December 2005. The country's GDP is expected to grow at 8.1 percent in 2005-06 as per advance estimate of Central Statistical Organisation.

World financial market remained buoyant in 2005-06. Banking systems in emerging markets got strengthened overall as a result of the economic recovery and reforms. However, the oil prices touched an unprecedented level of $75 per barrel in the April 2006, the effect of which could impact financial market behaviour.

The money supply grew by 20.4% to Rs. 27,09,905 crore during the fiscal 2006 as against the projected level of 15%. Inflation, measured by wholesale price index (WPI) stood at 4.0 per cent at the end of March 2006. The aggregate deposits of Scheduled Commercial Banks (SCBs) stood at Rs. 20,87,670 crore as at 31st March 2006 registering a growth of 22.1% over the corresponding period of the previous year.

Credit offtake of Scheduled Commercial Banks (SCBs) rose by 37% to Rs. 14,96,474 crore in 2005-06. Increased credit offtake is mainly because of tremendous growth in non-food credit, which stood at Rs. 14,54,687 crore as at March 31 2006.

The country's export witnessed impressive growth registering an increase of 24.7% to USD 100.60 billion during the fiscal 2006. However, imports rose faster by 31.5 % to USD 140.23 billion. Foreign exchange reserves have risen to USD 151.6 billion during 2005-06.

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

इस समीक्षा वर्ष के दौरान आपके बैंक ने काफी अच्छा निष्पादन दर्शाया है और कुल कारोबार में 23.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। पिछले वर्ष के 74,031 करोड़ रु. की तुलना में मार्च 2006 को बैंक का कुल कारोबार 91,284 करोड़ रु. के स्तर तक पहुँच गया है। वर्ष 2005-06 के दौरान जहाँ जमाराशियों में 16 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है वहीं अग्रिमों में 35.8 प्रतिशत की प्रभावोत्पादक वृद्धि हासिल हुई है।

31-3-2006 को बैंक का परिचालन लाभ 1038 करोड़ रु. हुआ है तथा शुद्ध लाभ में 33 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और वह 536 करोड़ रु. हो गया है, यह उपलब्धि निवेशों की बिक्री में हुए लाभ के कम होने के बावजूद हासिल की गई है। आस्तियों पर प्रतिलाभ में सुधार हुआ है, जो 2004-05 के 0.82 प्रतिशत से 2005-06 के दौरान 0.91 प्रतिशत हो गया है।

बैंक की पूंजी पर्याप्तता अनुपात में सुधार हुआ है और वह 31-3-06 की स्थिति के अनुसार 11.73 प्रतिशत हो गया है। निवल अग्रिमों की प्रतिशतता में निवल अनर्जक आस्तियों के अनुपात में 0.86 प्रतिशत की गिरावट हुई है। बैंक की कार्य कुशलता को प्रति कर्मचारी उत्पादकता से मापा जाता है, उसमें भी वृद्धि हुई है और वह अब 3.49 करोड़ रुपये हो गयी है।

विभिन्न प्रकार के जोखिमों को अनुमत स्तर तक रखने के लिए बैंक ने प्रभावी जोखिम प्रबंधन प्रणाली और एक मजबूत आस्ति देयता प्रबंधन (ए एल एम) प्रणाली बनाई है। बैंक का जोखिम प्रबंधन अपना पूर्ण ध्यान इस बात पर केन्द्रित रखता है कि गुणवत्तापूर्ण परिसंपत्तियों के निर्माण द्वारा कारोबारी विकास हो। बैंक ने शीर्ष कार्यपालकों को सम्मिलित करके प्रभावी आस्ति देयता समिति (एलको) बनाई है, जो नियमित रूप से आस्ति देयता प्रबंधन पर अपनी सूक्ष्म दृष्टि रखती है।

ग्राहक सेवा में सुधार करने के लिए तथा बाजार की आवश्यकताओं को पूरा करने हेतु वर्तमान के उत्पादों को पुन: परिभाषित किया गया है तथा नये उत्पाद तैयार किए गए हैं। कारोबार में बने रहने और निरंतर कारोबार में वृद्धि करते रहने हेतु बैंक का इस दर्शन में विश्वास है कि ग्राहकों को मूल्यवर्धित सेवा मिलती रहनी चाहिए। इसलिए बैंक ने नये-नये उत्पादों की शुरुआत की है। आम जनता की शिकायतों का निपटारा करने के लिए एक प्रणाली निरूपित की गई है जिसका उल्लेख सिटिजन चार्टर में किया गया है और वह शाखाओं में ग्राहकों के लिए उपलब्ध है तथा वह हमारे बैंक की वेबसाइट www.syndicatebank.in पर भी उपलब्ध है।

प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रों को ऋण उपलब्ध कराने पर बैंक हमेशा से जोर देता आ रहा है और उसी का यह परिणाम है कि इस वर्ष बैंक ने निर्धारित लक्ष्य 40 प्रतिशत को पार कर लिया है। बैंक का प्रस्ताव प्रौद्योगिकीमय बनना है और मार्च 2007 तक 1500 शाखाओं को केन्द्रीय बैंकिंग समाधान (सी बी एस) के तहत लाना है। "वित्तीय क्षेत्र में समावेश" विषयक भारतीय रिज़र्व बैंक के निदेशों के अनुपालन की दृष्टि से बैंक ने सिंड सामान्य योजना (नो फ्रिल्स खाता) के दायरे को और बढ़ाया है तथा उसकी शर्तों को सरल बनाया गया है ताकि आम जनता सहजता से उसे

During the year under review, your Bank has performed extremely well by registering a growth of 23.3% in total business. The total business of the Bank touched a level of Rs. 91,284 crore as at March 2006 as against Rs. 74,031 crore of the previous year. Deposits grew by 16% whereas advances recorded an impressive 35.8% during the year 2005-06.

The Operating Profit of the Bank stood at Rs. 1038 crore as at 31.3.2006 while net profit shot up by 33% to Rs. 536 crore, despite decline in profit on sale of investment. The Return on Assets improved from 0.82% in 2004-05 to 0.91% in 2005-06.

Capital Adequacy Ratio of the Bank improved to 11.73% at the end of March 2006. The ratio of Net NPA as percentage to Net Advances declined to 0.86%. The efficiency of the Bank as measured by staff productivity also rose to Rs.3.49 crore.

The Bank has put in place an effective Risk Management System and a robust Asset Liability Management (ALM) system for containing the various types of Risks within a permissible level. The Risk Management of the Bank focuses on business growth by quality asset creation. Bank is having an effective Asset Liability Committee (ALCO) comprising the top executives to take a close look at the Asset Liability Management on an ongoing basis.

In order to improve the customer service, existing products are redefined and new products are initiated to meet the market demand. To sustain and grow in the business, the Bank is continuously innovating new products and thus believing in the philosophy of value addition to the customer. The system of Redressal of Public Grievances (RPG) is incorporated in the Citizen's Charter and the same is made available to customers at branches and also displayed on our Bank's website www.syndicatebank.in

The Bank continues its thrust on Priority Sector Credit by surpassing the prescribed target of 40%. The Bank proposes to articulate state of art technology and migrate 1500 branches to Centralised Banking Solution (CBS) platform by March 2007. In order to comply with RBI directives on "Financial Inclusion" Bank has widened the scope of SyndSamanya Scheme (No Frills Account) and simplified its conditionalities to make it within easy

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

अपना सके। बैंक निरंतर प्रयत्नशील है कि उसके कामकाजी क्षेत्रों को ओर मजबूती मिले, उस दृष्टि से बैंक ने नये सहयोगियों को अपने साथ लिया हैं । बैंक ने धन के अंतरण की इकाई के रूप में लोकप्रिय दो कंपनियों यथा, कुवैत नेशनल एक्सचेन्ज कपनी और बहरीन की जेन्ज एक्सचेन्ज कंपनी के साथ रेमिटेन्स के लिए गठजोड़ व्यवस्था की है । बैंक ने लघु एवं मध्यम उपक्रमों (एस एम ई) के लाभ के लिए एक ऋण दर निर्धारण एजेन्सी स्मेरा के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं । सिंडिकेट बैंक प्रबंधन संस्थान (एस आइ बी एम) को उच्च गुणवत्तापूर्ण ज्ञान संपन्न केन्द्र बनाने के उद्देश्य से बैंक ने मेसर्स सी.एम.सी. लिमिटेड के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं । बाजार अर्थव्यवस्था में उभरती हुई चुनौतियों का मुकाबला करने के लिए बैंक ने संपूर्ण दृष्टि से विचार करनेवाली एक मानव संसाधन नीति बनाई है।

बैंक ने सिंडिकेट बैंक के पूर्ण स्वामित्व में ''सिंडिकेट बैंक सर्विसेज लिमिटेड'' नाम वाली एक अनुषंगी बी.पी.ओ. इकाई की शुरुआत की है। हमारे बैंक द्वारा किया गया यह प्रयास भारतीय बैंकिंग उद्योग का अग्रदूत है क्योंकि राष्ट्रीयकृत बैंकों की यह पहली बी.पी.ओ. इकाई है ।

इस वर्ष के दौरान बैंक ने 2000 शाखाओं के लक्ष्य को प्राप्त करके एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है । बैंक ने एक महत्वाकांक्षी कारोबारी योजना निर्धारित की है और उसे पाने की दिशा में अग्रसर है ताकि सार्वजनिक क्षेत्र के शीर्षस्थ बैंकों की सूची में हमारे बैंक का नाम भी शामिल हो सके ।

मैं इस अवसर पर आपको आश्वस्त करता हूँ कि आपका बैंक एक प्रगतिशील बैंक है जिसका आधार एवं परंपराएं काफी मजबूत हैं तथा वह लाभ के साथ विकास के लिए सतत प्रयत्नशील है ।

सादर,

आपका

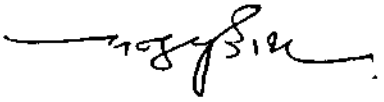

स्थान : मणिपाल
दिनांक : 27-5-2006

(सी.पी. स्वर्णकार)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

reach of common people. In its endeavor to strengthen some of the functional areas, the bank brought in new partners into its fold. Bank has tied up with National Exchange Company of Kuwait and Zenj Exchange Company of Bahrain, two popular Money Trasfering outfits, for remittances. Bank has signed MoU with SMERA (Small & Medium Enterprises Rating Agency of India Ltd.) a credit-rating agency, to benefit to the SME segments. The Bank signed an MoU with M/s CMC Ltd. to facilitate Syndicate Institute of Bank Management (SIBM) to enable it to be a high quality knowledge empowerment centre. The Bank has also placed a holistic HR policy to meet the challenges in the field of emerging market economy.

Bank has floated a BPO outfit v.i.z., "SyndBank Services Limited" a wholly owned subsidiary of SyndicateBank. This initiative of the Bank heralds a new beginning in the Indian Banking industry as it is the first BPO outfit of a Nationalized Bank.

The Bank crossed a milestone of 2000 branches during the year. The Bank has drawn up an ambitious business plan and efforts are being made to position the Bank in the top league of Public Sector Banks.

I take this opportunity to assure you, that your bank is a progressive bank with strong fundamentals and ethics and will strive growth with profits.

With regards,

Yours sincerely

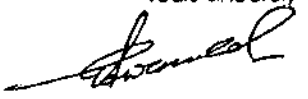

Place : Manipal
Date : 27.5.06

(C P Swarnkar)
Chairman & Managing Director

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

सिंडिकेटबैंक
SyndicateBank
Your faithful & friendly financial partner

सूचना

सूचना दी जाती है कि सिंडिकेट बैंक के शेयरधारकों की सातवीं वार्षिक आम बैठक शनिवार, 24 जून, 2006 को सुबह 11.30 बजे से सिंडिकेट बैंक स्वर्ण जयंती सभाभवन, मणिपाल - 576 104, में निम्नलिखित कारोबार का संव्यवहार करने के लिए होगी;

मद संख्या 1

"31 मार्च, 2006 की स्थिति के अनुसार बैंक के तुलन-पत्र और उस तारीख को समाप्त हुए वर्ष के संबंध में लाभ व हानि लेखा, लेखे से संबंधित अवधि के दौरान बैंक के कार्यचालन और उसकी गतिविधियों पर निदेशकों के प्रतिवेदन और तुलन-पत्र तथा लेखों पर लेखा-परीक्षकों के प्रतिवेदन और तुलन-पत्र तथा लेखों पर लेखा-परीक्षकों के प्रतिवेदन पर चर्चा करने के लिए."

निदेशक मंडल के आदेश से

स्थान : मणिपाल
दिनांक : 27-5-2006

(सी.पी. स्वर्णकार)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

Report Junction.com

NOTICE

NOTICE is hereby given that the Seventh Annual General Meeting of the shareholder members of SyndicateBank will be held at SyndicateBank Golden Jubilee Auditorium, Manipal - 576 104 on Saturday the 24th June, 2006 at 11.30 A.M. to transact the following business:

Item No. 1

"To discuss the Balance Sheet of the Bank as at 31st March 2006 and the Profit & Loss Account of the Bank for the year ended on that date, the Report of the Board of Directors on the working and activities of the Bank for the period covered by the Accounts and the Auditors' Report on the Balance Sheet and Accounts."

By Order of the Board of Directors

Place: Manipal
Date : 27.05.2006

(C. P. SWARNKAR)
Chairman & Managing Director

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

Your faithful & friendly financial partner

नोट

(i) **प्रॉक्सी की नियुक्ति :**

बैठक में भाग लेने एवं मतदान करने के पात्र शेयरधारक सदस्य को अपने स्थान पर बैठक में भाग लेने तथा मतदान करने के लिए प्रॉक्सी नियुक्त करने का अधिकार है। प्रॉक्सी बैंक का शेयरधारक हो यह आवश्यक नहीं है। प्रॉक्सी की सूचना प्रभावी होने हेतु प्रॉक्सी फार्म वार्षिक आम बैठक प्रारंभ होने से कम से कम **चार दिन** पहले अर्थात् 19 जून, 2006 को कार्य समय समाप्त होने के समय या उससे पहले बैंक के प्रधान कार्यालय, मणिपाल में अवश्य प्राप्त हो जाना चाहिए।

(ii) **प्राधिकृत प्रतिनिधि की नियुक्ति :**

कोई भी ऐसा व्यक्ति किसी कंपनी अथवा किसी निकाय कारपोरेट, जो कि शेयरधारक है, के विधिवत् प्राधिकृत प्रतिनिधि के रूप में बैठक में उपस्थित होने अथवा मतदान करने का तब तक पात्र नहीं होगा जब तक कि वह विधिवत् प्राधिकृत प्रतिनिधि के रूप में नियुक्त करने विषयक संकल्प, जिस बैठक में वह पारित किया गया था उसके अध्यक्ष द्वारा सत्यापित प्रतिलिपि के रूप में प्रमाणित न हो, की प्रति सिंडिकेटबैंक, प्रधान कार्यालय, मणिपाल में, वार्षिक आम बैठक की तारीख से **चार दिन** पहले अर्थात् 19 जून, 2006 को कार्य समय समाप्त होने के समय या उससे पहले जमा नहीं करता/ करती है।

(iii) **उपस्थिति पर्ची-सह-प्रवेश पत्र :**

शेयरधारक सदस्यों की सुविधा के लिए उपस्थिति पर्ची-सह-प्रवेश पत्र इस नोटिस के साथ संलग्न है। शेयरधारकों/प्राक्सीधारकों/प्राधिकृत प्रतिनिधियों से अनुरोध है कि वे उसमें निर्धारित स्थान पर अपने हस्ताक्षर करें और उसे बैठक स्थल पर सौंप दें। शेयरधारक के प्रॉक्सी/प्रतिनिधि को उपस्थिति पर्ची पर 'प्रॉक्सी' अथवा "प्रतिनिधि" जैसी भी स्थिति हो, का उल्लेख करना चाहिए।

(iv) **वार्षिक रिपोर्ट की प्रति:**

शेयरधारकों/प्रॉक्सी धारकों/प्रतिनिधियों से अनुरोध है कि वे वार्षिक आम बैठक की रिपोर्ट और नोटिस की अपनी प्रति साथ में लाएं।

(v) **लेखा विषयक सूचना:**

शेयरधारक यदि खाते के संबंध में कोई जानकारी चाहते हैं तो उनसे अनुरोध है कि बैंक को लिखें और उनके द्वारा माँगी गई जानकारी बैंक को कम से कम वार्षिक आम बैठक से एक सप्ताह पहले मिल जानी चाहिए ताकि प्रबंधन सूचना तैयार करके रख सके। वार्षिक आम बैठक के समय जवाब दिया जाएगा।

NOTES:

(i) **APPOINTMENT OF PROXY**

A SHAREHOLDER ENTITLED TO ATTEND AND VOTE AT THE MEETING IS ENTITLED TO APPOINT A PROXY TO ATTEND AND VOTE INSTEAD OF HIMSELF/HERSELF AND SUCH A PROXY NEED NOT BE A SHAREHOLDER OF THE BANK. The Proxy form, in order to be effective, must be received by the Bank at the Head Office of the Bank at Manipal not less than FOUR DAYS before the date of the Annual General Meeting i.e., on or before the closing hours of Monday, 19th June 2006.

(ii) **APPOINTMENT OF AN AUTHORISED REPRESENTATIVE**

No person shall be entitled to attend or vote at the meeting as a duly authorized representative of a Company or any body corporate which is a shareholder of the Bank, unless a copy of the resolution appointing him/her as a duly authorized representative, certified to be true copy by the Chairman of the meeting at which it was passed, shall have been deposited at the Head Office of the Bank at Manipal not less than FOUR DAYS before the date of the Annual General Meeting, i.e., on or before the closing hours of Monday, 19th June 2006.

(iii) **ATTENDANCE SLIP-CUM-ENTRY PASS**

For the convenience of the shareholders, Attendance Slip-Cum-Entry Pass is annexed to this notice. Shareholders/ Proxy holders/Authorised Representatives are requested to affix their signatures at the space provided therein and surrender the same at the venue. Proxy/Authorized Representative of shareholders should state on the Attendance Slip-Cum-Entry Pass as "Proxy" or "Authorized Representative" as the case may be.

(iv) **COPIES OF ANNUAL REPORT**

Shareholders/ Proxy holders/representatives are requested to bring their copies of the Annual Report and notice to the Annual General Meeting.

(v) **INFORMATION ON THE ACCOUNTS**

Shareholders seeking any information on the Accounts are requested to write to the Bank, which should reach the Bank atleast one week before the date of the Annual General Meeting so as to enable the Management to keep the information ready. Replies will be provided only at the Annual General Meeting.

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

(vi) **बहीबंदी :**

वार्षिक आम बैठक के सिलसिले में लाभांश प्राप्त करने के लिए पात्र शेयरधारक सदस्यों का अवधारण करने के प्रयोजन के लिए सदस्यों की पंजी और बैंक की शेयर अंतरण बहियाँ बुधवार 21 जून, 2006 से शनिवार 24 जून, 2006 तक (दोनो दिन शामिल हैं) बंद रहेंगी।

(vii) **लाभांश का भुगतान**

निदेशक मंडल द्वारा यथा प्रस्तावित अंतिम लाभांश का भुगतान उन शेयरधारकों को जिनके पास फिजिकल फार्म में शेयर हैं और जिनके नाम बैंक के शेयरधारक सदस्यों के रजिस्टर में शनिवार, 24 जून, 2006 तक दर्ज हैं और वेकाणजीकृत रूप से शेयरधारकों के मामले में लाभांश, डिपाजिटरी द्वारा कारोबार की समाप्ति अर्थात मंगलवार, 20 जून, 2006 को हिताधिकारी स्वामी की सूचना के अनुसार लाभांश वारंट वार्षिक आम बैठक के 30 दिन के अंदर डाक से भेजे जाएंगे/जमा कर दिए जाएंगे।

(viii) **लाभांश हेतु बैंक अधिदेश या इलेक्ट्रॉनिक समाशोधन सेवा (ई सी एस):**

क) शेयरधारकों से अपेक्षित है कि वे जहाँ पर अपने लाभांश वारंटों को जमा कराना चाहते हों, उस बैंक का नाम, शाखा का नाम, स्थान एवं खाता संख्या का उल्लेख करें। ये सूचनाएं लाभांश वारंट के चेक हिस्से में शेयरधारक के नाम के साथ मुद्रित की जाएंगी ताकि लाभांश वारंट का धोखाधड़ी पूर्वक नकदीकरण कराने से बचा जा सके। उपर्युक्त विवरण प्रथम/ एकमात्र धारक द्वारा फोलियो संख्या, धारित शेयरों की संख्या, धारिता संबंधी ब्यौरे आदि बताते हुए सीधे हैदराबाद स्थित शेयर अंतरण एजेंट को प्रस्तुत किए जाने चाहिए।

ख) बैंक, निर्दिष्ट शहरों में रहनेवाले शेयरधारकों को ई.सी.एस. की सुविधा प्रदान कर रहा है। लाभांशों को जमा करवाने के लिए, शेयरधारक बैंक अधिदेश प्रणाली के बदले में इस सुविधा का भी उपयोग कर सकते हैं। विकल्प फार्म इस रिपोर्ट के साथ संलग्न है।

(ix) **अंतरण:**

अंतरण विलेख के साथ शेयर प्रमाणपत्र अंतरण हेतु रजिस्ट्रार और ट्रांसफर एजेंट को भेजे जाने चाहिए।

(x) **पते में परिवर्तन:**

शेयरधारकों से अनुरोध है कि उनके पंजीकृत पते में परिवर्तन, यदि कोई हो, तो बैंक के रजिस्ट्रार और शेयर अंतरण एजेंट को निम्नलिखित पते पर सूचित करें:

मेसर्स कार्वी कंप्यूटर शेयर (प्राइवेट) लिमिटेड

यूनिट: सिंडिकेटबैंक

21, एवेन्यू 4, स्ट्रीट नं. 1

बंजारा हिल्स,

हैदराबाद – 500 034

(vi) **BOOK CLOSURE**

The Register of shareholders and the Share Transfer Register of the Bank will remain closed from Wednesday, 21st June 2006 to Saturday, 24th June 2006 (both days inclusive), for the purpose of Annual General Meeting and for ascertaining the entitlement of dividend.

(vii) **PAYMENT OF DIVIDEND**

Payment of final dividend to shareholders as proposed by the Board of Directors shall be paid to those shareholders holding shares in physical form, whose names appear on the Register of Members/ Shareholders of the Bank as on Saturday, 24th June 2006 and in respect of shares held in dematerialised form, the dividend will be paid on the basis of beneficial ownership as per details to be furnished by the depositories as at the end of business on Tuesday, 20th June 2006 and the dividend warrants shall be mailed / credited within 30 days from the date of Annual General Meeting.

(viii) **BANK MANDATE FOR DIVIDEND OR ELECTRONIC CLEARING SERVICE(ECS)**

a) The shareholders are required to furnish their Bank Account number, the name of the Bank and the Branch where they would like to deposit the Dividend warrants for encashment. These particulars will be printed on the cheque portion of Dividend warrants, besides the name of the shareholders so as to avoid fraudulent encashment of warrants. The above mentioned details should be furnished by the first/sole shareholder directly to the Registrar & Transfer Agent at Hyderabad, quoting the folio number, number of shares held, details of the holdings etc.

b) The Bank is also offering the facility of ECS for shareholders residing in specified cities. This facility could be used by the shareholder instead of Bank Mandate system for receiving the credit of dividend. Option Form is annexed to this report.

(ix) **TRANSFERS**

Share certificates along with transfer deeds should be forwarded to the Registrar and Transfer Agent for transfer.

(x) **CHANGE OF ADDRESS**

Shareholders are requested to intimate changes, if any, in their registered address, to the Registrar and Share Transfer Agent of the Bank at the following address:

M/s. Karvy Computershare (P) Ltd.,
Unit: SyndicateBank
21, Avenue 4, Street No.1
Banjara Hills,
HYDERABAD – 500 034

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

जिन शेयरधारकों के पास बेकागजीकृत शेयर हैं उनसे अनुरोध है कि उनके पंजीकृत पते में बैंक अधिवेश में/विवरण में कोई परिवर्तन हुआ हो, तो वे उसकी सूचना अपने डिपोज़िटरी पार्टिसिपेन्टस को दें।

(xi) **बैंक के शेयरों का बेकागज़ी रूप में (डिमैट) अनिवार्य शेयर व्यापार :**

भारतीय प्रतिभूति विनिमय बोर्ड (सेबी)द्वारा दिए गए दिशा निर्देशों के अनुसरण में सभी निवेशकों के लिए हमारे बैंक के शेयरों का बेकागज़ी रूप में व्यापार 26 जून, 2000 से अनिवार्य कर दिया गया है।

बैंक ने नेशनल सेक्यूरिटीज़ डिपोज़िटरी लिमिटेड (एन.एस.डी.एल.) और सेंट्रल डिपोज़िटरी सर्विसेस (इंडिया) लिमिटेड (सी.डी.एस.एल.) से बैंक के शेयरों के बेकागज़ीकरण के लिए निर्गमकर्ता कंपनी के रूप में करार किया है।

बेकागज़ीकरण संबंधी अनुरोध संबंधित डिपोज़िटरी सहभागी के माध्यम से हमारे रजिस्ट्रार और शेयर ट्रॉन्सफर एजेन्ट को भेजे जाएं ।

(xii) **फोलियो का समेकन :**

एक ही नाम पर तथा उसी क्रम में विभिन्न फोलियों में शेयर धारण करने वाले शेयरधारकों से अनुरोध है कि वे ऐसे शेयरधारण के ब्यौरे शेयर अंतरण अभिकर्ताओं को प्रस्तुत करें ताकि वे उन शेयर पूंजियों को एक ही पूंजी के अंतर्गत समेकित कर सकें। इससे बैंक, शेयरधारकों को और अधिक कारगर ढंग से सेवा दे पायेगा।

(xiii) **तुलन-पत्र की प्रतियां :**

शेयर धारक सदस्यों को सूचित किया जाता है कि वार्षिक रिपोर्ट की प्रतियां वार्षिक आम बैठक के स्थान पर वितरित नहीं की जाएगी, अतएव सदस्यों से अनुरोध है कि वे वार्षिक रिपोर्ट की अपनी प्रतियां साथ ले आएं जो उनके पंजीकृत पते पर बैंक द्वारा उनको डाक से भेजी गयी हैं।

(xiv) **अन्य सूचना :**

शेयर धारक कृपया ध्यान दें कि बैठक में कोई उपहार/ कूपन वितरित नहीं किया जाएगा।

(xv) **निवेशक संपर्क केन्द्र :**

शेयर धारकों को शीघ्र और दक्षतापूर्ण सेवा उपलब्ध कराने के लिए सिंडिकेटबैंक ने अपने नैगम कार्यालय, बेंगलूर में निवेशक संपर्क विभाग खोला है। शेयर धारक और निवेशक किसी भी सहायता के लिए इस केन्द्र से निम्नलिखित पते पर संपर्क कर सकते हैं :

कंपनी सचिव
निवेशक संपर्क केन्द्र
सिंडिकेटबैंक, नैगम कार्यालय
गांधीनगर, बेंगलूर - 560 009
दूरभाष: 080 - 22283030 फैक्स: 080 - 22208960
ईमेल: inrc@syndicatebank.net

Shareholders holding shares in dematerialised form are requested to intimate changes, if any, in their registered address and Bank mandate / details only to their depository participant(s).

(xi) **COMPULSORY TRADING OF SHARES OF THE BANK IN DEMATERIALISED (DEMAT) FORM:**

Pursuant to the directive given by SEBI, trading of our Bank shares in Dematerialized form has been made compulsory for all investors with effect from June 26, 2000.

The Bank has entered into an agreement with National Securities Depository Ltd. (NSDL) and Central Depository Services (India) Ltd. (CDSL) as an issuer company for dematerialization of Bank's shares.

Request for dematerialization may be sent through respective depository participants to our Registrars and Share Transfer Agents.

(xii) **CONSOLIDATION OF FOLIOS**

Shareholders holding shares in various folios with identical names and in same order are requested to furnish details of such holding to the Share Transfer Agents, to enable them to consolidate those holdings into a single holding. This will facilitate the Bank to service the shareholders more effectively.

(xiii) **COPIES OF BALANCE SHEET**

Shareholder Members are advised that copies of the Annual Report will not be distributed at the venue of the Annual General Meeting and hence the Members are requested to bring their copies of the Annual Report, which are mailed by the Bank to them at the registered addresses.

(xiv) **OTHER INFORMATION**

Shareholders may kindly note that no gift/ coupon will be distributed at the meeting.

(xv) **INVESTOR RELATIONS CENTRE**

In order to facilitate quick and efficient service to the shareholders, SyndicateBank has set up an Investor Relations Centre at its Corporate Office, Bangalore. Shareholders may contact this Centre at the under mentioned address for any assistance.

The Company Secretary
Investor Relations Centre
SyndicateBank - Corporate Office
Gandhinagar
BANGALORE - 560 009
Tel.: 080-22283030, Fax: 080-22208960
E-mail : inrc@syndicatebank.net

स्थान : मणिपाल
दिनांक : 27-5-2006

(सी. पी. स्वर्णकार)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

Place : Manipal
Date : 27.05.2006

(C P SWARNKAR)
Chairman & Managing Director

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

निदेशकों का प्रतिवेदन

निदेशक मंडल, बैंक का वार्षिक प्रतिवेदन और दि. 31 मार्च 2006 को समाप्त वर्ष का लेखा परीक्षित तुलन-पत्र एवं लाभ व हानि लेखा के विवरण सहर्ष प्रस्तुत करता है ।

प्रबंधन चर्चा एवं विश्लेषण

समग्र आर्थिक वातावरण

वर्ष 2005-06 के दौरान सार्वभौमिक वित्तीय प्रणाली को मजबूती और बल मिला है जिसका प्रभाव हाल ही में बाजार की स्थितियों में हुए विकास के रूप में प्रकट हुआ है । सार्वभौमिक विकास में हुई बढ़ोतरी से कारोबार एवं निवेश की स्थिति में भी सुधार हुआ है, साथ ही, वस्तुओं की कीमतें भी बढ़ी हैं । वित्तीय वर्ष 2006 के दौरान संयुक्त राज्य अमेरिका की विकास दर सबसे अधिक रही जिसके सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि की दर 3.4 प्रतिशत दर्ज की गई और उसके बाद स्पैनिश अर्थव्यवस्था जिसकी विकास दर 3.3 प्रतिशत थी और बाद में कनेडियन. अर्थ-व्यवस्था रही जिसकी विकास दर 3.1 प्रतिशत दर्ज की गई । उभरते हुए एशिया में बढ़ती हुई घरेलू मांग के कारण चीन और भारत दोनों के ही सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि हुई है और मजबूती बनी रही । वर्ष 2006 के दौरान 12 राष्ट्रों वाले यूरो मार्केट में वृद्धि का अनुमान 1.9 प्रतिशत लगाया गया जबकि ओ.ई.सी.डी. के 30 सदस्यों वाले सदस्य राष्ट्रों की वृद्धि दर का अनुमान 2.7 प्रतिशत लगाया गया । अंतर्राष्ट्रीय मुद्राकोष ने वर्ष 2006 के लिए विश्व की अर्थव्यवस्था में 4.9 प्रतिशत के वृद्धि की भविष्यवाणी की है, जब कि पिछले वर्ष के दौरान यह वृद्धि दर 3.6 प्रतिशत थी । नये बाजारों में एफ.डी.आई. का अंतर्वाह वर्ष 2004 में 180 बिलियन डॉलर था और वर्ष 2005 में उसमें और 10 प्रतिशत वृद्धि की आशा की गई थी । यद्यपि विश्व अर्थव्यवस्था में वर्ष 2006 के दौरान मजबूती का रूख दिखाई पड़ रहा है परंतु तेल कीमतों में हुई अप्रत्याशित वृद्धि, भू-राजनैतिक तनावों, ऋण की माँग में तीव्र वृद्धि और विश्वभर में भूसंपत्तियों के मूल्यों में हुए उठान रूपी बबूले से कुछ बड़े देशों की आर्थिक स्थिरता में जोखिम पैदा होने के लक्षण दिखाई पड़ रहे हैं ।

इस पृष्ठभूमि में अप्रैल-दिसंबर 2005 के दौरान भारतीय अर्थव्यवस्था निरंतर मजबूत बनी रही, सकल घरेलू उत्पाद में 7.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई जिसका प्रभाव पूंजीगत सामानों और उपभोक्ता सामान वाले उद्योगों और सेवा क्षेत्रों में हुए जोरदार निष्पादन के रूप में दिखाई पड़ा । केन्द्रीय सांख्यिकीय संगठन (सी.एस.ओ.) ने अनुमान लगाया है कि वर्ष 2006 में कृषि में वृद्धि 2.3 प्रतिशत की दर से, उद्योगों में 9.3 प्रतिशत की दर से और सेवा क्षेत्रों में 9.8 प्रतिशत की दर से होगी जिसके कारण सकल घरेलू उत्पाद में (फैक्टर लागत) 8.1 प्रतिशत की वृद्धि होने की संभावना है ।

मार्च 2006 के अंत में वर्षानुवर्ष के आधार पर मुद्रास्फीति में परिवर्तन को 4.00 प्रतिशत आँका गया । भारतीय रिज़र्व ने वित्तीय वर्ष 2007 के दौरान मुद्रास्फीति की दर में 5से 5.5 प्रतिशत की दर से परिवर्तन होने का अनुमान लगाया है।

वर्ष 2005-06 के दौरान प्रणाली में तरलता की स्थिति कमोवेश आरामदायक रही केवल दिसंबर 2005 के महीने को छोड़कर जब यूएस डालर 7 बिलियन के इंडिया मिलेनियम डिपाजिट का प्रतिदान किया गया तरलता समायोजन सुविधा (एल.ए.एफ.), बाजार स्थिरता योजना (एम.एस.एस.) और केन्द्रीय सरकार के नगदी शेष आधिक्य को मिलाकर कुल पहले की तरलता में औसतन मार्च 2005 के रु. 1,14,192 करोड़ से मार्च 2006 में रु. 74,334 करोड़ की गिरावट आई । मुद्रा आपूर्ति में 20.4 प्रतिशत की वृद्धि अभिलेखित की गई है जो 31 मार्च 2006 को रु. 27,09,905 करोड़ रही है जो तदनुरूपी पिछली अवधि के दौरान 12.1 प्रतिशत अभिलेखित की गई थी । भारतीय रिज़र्व बैंक ने पूर्वानुमान लगाया है कि वर्ष 2006-07 के दौरान एम 3 में 15.00 प्रतिशत का विस्तार होगा ।

अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (एस.सी.बी.) की सकल जमाराशियों में 2004-05 के रु. 17,08,610 करोड़ की तुलना में 2005-06 के दौरान 22.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई है जो रु. 20,87,670 करोड़ तक पहुँच गई हैं । वित्तीय वर्ष 2005-06 के दौरान माँग जमाराशियों में रु 99,223 करोड़ और मीयादी जमाराशियों में रु. 2,88,249 करोड़ की वृद्धि हुई है । अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के ऋण में 37 प्रतिशत की भारी वृद्धि हुई है जो वर्ष 2004-05 के रु. 10,92,008 करोड़ से बढ़कर रु. 14,96,474 करोड़ हो गई है । 31 मार्च 2006 को गैर खाद्य ऋण रु. 14,54,687 करोड़ तक पहुँच गया है (इसमें 30.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है) । खुदरा ऋणों के क्षेत्र में कुल ऋणों का 50 प्रतिशत उपलब्ध किया गया है । बैंकिंग क्षेत्र की निवल विदेशी विनिमय आस्तियों में पिछले वित्तीय वर्ष के रु. 1,22,669 करोड़ (23.3

DIRECTORS' REPORT

The Board of Directors is pleased to present Bank's Annual Report along with the Audited Balance Sheet as on 31st March 2006 and the Profit & Loss Account statement for the financial year ended 31st March 2006.

MANAGEMENT DISCUSSION AND ANALYSIS

MACRO ECONOMIC ENVIRONMENT

Global financial system gathered strength and resilience in 2005-06, which is evidenced by recent development in market conditions. The increased global growth is fuelled by improved business and investment climate along with the higher commodity prices. The United States remained the main engine of growth by registering GDP growth at 3.4 percent followed by Spanish economy by 3.3 percent and Canadian economy 3.1 percent in fiscal 2006. In emerging Asia, GDP growth in both China and India was strong, driven by huge domestic demand. Growth in the 12-nation euro market is predicted at 1.9 percent in 2006 whereas OECD's 30-members nation are estimated to grow at 2.7 percent in 2006. IMF has forecast world output to grow at 4.9 percent in 2006 as against 3.6 percent recorded in the previous year. The FDI inflows in emerging market (EMs) was $180 billion in 2004-05 and was expected to increase by more than 10 percent in 2005-06. Though, the world economy has shown improved resilience in 2006, risks to financial stability in some of the major countries are eminent due to unprecedented rise in oil prices, geopolitical tensions, rapid growth in credit demand and asset bubble created in real estate market around the world.

Against this backdrop, Indian economy has exhibited strong performance registering a GDP growth of 7.9 percent during April-December 2005 fuelled by the growth in capital goods and consumers goods industries as well as strong performance depicted in services sector. The Central Statistical Organization (CSO) has estimated 2.3 percent growth in agriculture, 9.0 percent in industry and 9.8 percent in services in the fiscal 2006 with an overall GDP growth (at factor cost) of 8.1percent.

Inflation, measured by variations in the wholesale price index (WPI) on a year-on-year basis, was 4.0 percent at the end March 2006. The RBI has projected the inflation level within the range of 5 to 5.5 percent during the fiscal 2007.

Liquidity in the system remained largely comfortable in 2005-06, except, liquidity mismatch that has occurred during the month of December 2005 due to redemption of India Millennium Deposits (IMD) of USD 7 billion. The total overhang of liquidity as reflected in outstandings under the Liquidity Adjustment Facility (LAF), the Market Stabilisation Scheme (MSS) and surplus cash balances of the Central Government taken together declined from an average of Rs.1,14,192 crore in March 2005 to Rs.74,334 crore in March 2006. Money Supply grew by 20.4 percent in 2005-06 and stood at Rs.27,09,905 crore as at March 31 2006, against a growth rate of 12.1 percent recorded in the corresponding previous period. The RBI has projected M3 to expand by around 15.0 percent in 2006-07.

The aggregate deposits of Scheduled Commercial Banks (SCBs) grew by 22.1 percent from Rs.17,08,610 crore in 2004-05 to Rs.20,87,670 crore in 2005-06. Demand deposits increased by Rs.99,223 crore and time deposits increased by Rs.2,88,249 crore in the fiscal 2005-06. The Scheduled Commercial Banks' credit rose substantially by 37 percent from Rs.10,92,008 crore in 2004-05 to Rs.14,96,474 crore in 2005-06. Non-food credit stood at Rs.14,54,687 crore (recording a growth of 30.8 percent) as at 31st March 2006. The overall credit flow into the retail sector was over 50 percent of the total credit. Net foreign exchange assets to banking sector grew by Rs.64,610 crore (10 percent) in the fiscal 2005-06 compared to a growth of Rs.1,22,669 crore (23.3 percent)

www.reportjunction.com